हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
27.10.2018

खिलाड़ी के रूप में पाई जीने की नई राह : दीपा मलिक

स्पर्धा

वाराणसी | कार्यालय संवाददाता

आईआईटी बीएचयू के वार्षिक खेल महोत्सव स्पर्धा 2018 का आगाज शुक्रवार शाम हुआ। मुख्य अतिथि पैरालंपिक खिलाड़ी दीपा मलिक ने कहा कि एक खिलाड़ी के रूप में उन्होंने जीने की नई राह पाई। अपने जीवन की घटनाओं को सुनाकर भावी इंजीनियरों को कभी हार न मानने का संदेश दिया।

कहा कि वह पहले सामान्य थीं, बाद में रीढ़ की हड्डी की बीमारी होने पर वह अपंगता की शिकार हुई। दो-दो बच्चे थे। बावजूद परिस्थियों से न केवल लड़ीं, बल्कि पैरालंपिक खेल में एक मुकाम पाया। महिला भारतीय क्रिकेट टीम की सदस्य सुषमा वर्मा ने बताया कि गांव की लड़की होने के बावजूद उन्होंने क्रिकेट को चुना। समाज के ताने उनके मां-पिता को भी सुनने पड़ते थे। बावजूद उनके समर्थन व स्कूल कॉलेज के सहयोग से उन्होंने मुकाम पाया। कहा कि आज भारतीय महिला क्रिकेट टीम विश्व की उच्च दर्जे की टीम में से एक है। इसके पहले दीपा मलिक, सुषमा वर्मा व हॉकी के पूर्व कप्तान सरदार सिंह ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर आईआईटी बीएचयू निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन, प्रो. एसके सिन्हा, प्रो. आरएस सिंह समेत आयोजन समिति के छात्र मौजूद रहे। इस दौरान कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। मलखम्ब पर छात्र का प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र रहा।

आईआईटी बीएचयू जिमखाना में शुक्रवार को एनुअल मीट स्पर्धा में इंडियन हॉकी के पूर्व कप्तान सरदार सिंह, महिला क्रिकेटर सुषमा वर्मा और भारत की पहली महिला पैरालंपिक विजेता दीपा मलिक। ● हिन्दुस्तान

प्रतियोगिता के पहले दिन मलखम की प्रस्तुति करता खिलाड़ी। ● हिन्दुस्तान

वॉलीबाल, फुटबाल, हैंडबाल में आईआईटी बीएचयू जीती

वाराणसी। महिला वॉलीबाल में एनआईटी त्रिची, आईआईटी बीएचयू, पुरुष वर्ग में आईआईटी बीएचयू व केएनआईटी सुल्तानपुर ने अपने-अपने मुकाबले जीते। फुटबॉल में केएनआईटी सुल्तानपुर, बीएसएसएस भोपाल, वीआईटी भोपाल ने मैच जीते। आईआईटी बीएचयू अ की टीम 9-0 से जीती। क्रिकेट में इंवर्टिस, केएनआईटी, बिट्स पटना, एसपीए भोपाल और आईआईटी बीएचयू ने बाजी मारी। हैण्डबाल में एनआईटी त्रिची, आईआईटी बीएचयू की जीत हुई। पुरुष कब्बडी में एनआईटी त्रिची, बिट्स पटना, आईसीएफएई और वाईएमसीए की जीत हुई। महिला कब्बडी में जीडब्ल्यूईसी ने जीत दर्ज की।

हॉकी में सुविधाएं तो बढ़ीं लेकिन कोचिंग हुई कमजोर

वाराणसी। हॉकी टीम के पूर्व कप्तान सरदार सिंह ने बताया कि जब देश में एस्ट्रोटर्फ मैदान बहुत कम थे, या नहीं थे। हम विश्व में नंबर वन थे। ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतते थे। अब हमारे पास सुविधाएं हैं लेकिन कोचिंग कमजोर हुई है। ध्यान देना होगा।